

وَمَا مِنْ دَابَّةٍ فِي الْأَرْضِ إِلَّا عَلَى اللَّهِ رِزْقُهَا وَيَعْلَمُ

और नहीं है कोई जानदार जमीनका मगर अल्लाहके करम पर है उसकी रोजी, और वोह जानता है

مُسْتَقْرَّهَا وَمُسْتَوْدَعَهَا ۖ كُلٌّ فِي كِتَابٍ مُبِينٍ ۝۴ وَهُوَ الَّذِي

उनकी क्याम गाहको, और उनकी सोपे जानेकी जगहको, सब कुछ रौशन किताबमें है (६) और वोह वोही है जिसने

خَلَقَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ فِي سِتَّةِ أَيَّامٍ وَكَانَ عَرْشُهُ عَلَى

पैदा करमा दिया आस्मानों और जमीनको छ दिनमें. और उसका अर्श पानी

الْمَاءِ لِيُبْلِغَكُمْ إِلَيْكُمْ أَحْسَنُ عَمَلًا ۖ وَلَئِنْ قُلْتُمْ إِنَّكُمْ

पर था, ताकि आजमाईशमें डाले तुमको, कि तुममें कौन कारगुजारीमें बेहतर है. और अगर तुमने कडा कि

مَبْعُوثُونَ مِنْ بَعْدِ النَّوْتِ لَيَقُولَنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا إِنْ

बिलाशुबह तुम उठाये जाओगे मरनेके बा'द, तो जरूर बक डालेंगे जो काफिर हैं, कि यह

هَذَا إِلَّا سِحْرٌ مُبِينٌ ۝۵ وَلَئِنْ أَخْرْنَا عَنْهُمُ الْعَذَابَ إِلَى

नहीं है मगर भुला जादू (७) और अगर हमने हटा रमा उनसे अजाबको कुछ

أُمَّةٍ مَعْدُودَةٍ لَيَقُولَنَّ مَا يَجْهَسُونَ إِلَّا يَوْمَ يَأْتِيهِمْ لَيْسَ

गिनतीकी मुदत तक, तो जरूर बर्केगे कि कौन उसको रोके है. भबरदार ! जिस दिन आ जायेगा उन तक, तो पलटे

مَصْرُوقًا عَنْهُمْ وَحَاقَ بِهِمْ مَا كَانُوا بِهِ يَسْتَهْزِءُونَ ۝۶

गा नहीं उनसे, और घेरा पड गया उन पर जिसका हका करते थे (८)

وَلَئِنْ أَذَقْنَا الْإِنْسَانَ مِنَّا رَحْمَةً ثُمَّ نَزَعْنَا مِنْهُ ۖ إِنَّهُ

और अगर यभा दिया हमने ईन्सानको अपने करमसे रहमतकी, फिर छीन लिया उसको उससे, तो बेशक वोह नाउम्मीद

لَيَكْفُرُ ۖ وَلَئِنْ أَذَقْنَاهُ نَعْمَاءً بَعْدَ ضَرَاءٍ مَسَّتْهُ

नाशुका है (९) और अगर हमने मदा दे दिया ने'मतोंका बा'द जहमतोंके जो उसको पछोंथी, तो

لَيَقُولَنَّ ذَهَبَ السَّيِّئَاتِ عَنِّي ۖ إِنَّهُ لَفَرِحٌ فَخُورٌ ۝۷ إِلَّا الَّذِينَ

जरूर ही केह दे कि भराबियां मुजसे दूर हो गई. बेशक वोह बडा ईतरा शैभीभाज है (१०) मगर जिन्होंने

صَبَرُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ ۖ أُولَٰئِكَ لَهُمْ مَغْفِرَةٌ وَأَجْرٌ كَبِيرٌ ۝۸

सध्र किया और काम किये अरछे, वोह हैं कि उन्हींके लिये बपिशिश और बडा धवाब है (११)

فَلَعَلَّكَ تَارِكٌ بَعْضَ مَا يُوحَىٰ إِلَيْكَ وَضَائِقٌ بِهِ صَدْرُكَ

तो भला तुम छोड़ोगे कुछ हिस्सा उस पैगामका जो वही किया जाता है तुम्हारी तरफ, और भला तंग होगा उससे तुम्हारा सीना, कि

أَنْ يَقُولُوا لَوْلَا أُنزِلَ عَلَيْهِ كُتُبٌ كَثْرًا أَوْ جَاءَ مَعَهُ مَلَكٌ ۖ إِنَّمَا أَنْتَ

केहने लगेंगे, कि क्यों नहीं नाजिल किया जाता उन पर भजाना, या आता उनके साथ इरिश्ता. तुम भस

نَذِيرٌ ۗ وَاللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ وَكِيلٌ ۚ ۝۱۲ أَمْ يَقُولُونَ افْتَرَاهُ ۗ قُلْ

उर सुनानेवाले हो. और अस्वाह उर याहे पर निगरां है (१२) या बर्के, कि “गठ वी है वहीको”. जवाब हे हो “कि

فَأَتُوا بِعَشْرِ سُوْرٍ مِّثْلِهِ مُفْتَرِيْنَ ۖ وَادْعُوا مَنِ اسْتَطَعْتُمْ مِّنْ

तो उसके मिथ्व दस सूरतें गढी हूँ ले आओ, और बुला लो जिनकी सकत रभते हो

دُوْنِ اللّٰهِ اِنْ كُنْتُمْ صٰدِقِيْنَ ۝۱۳ ۚ فَاَلَمْ يَسْتَجِيبُوا لَكُمْ

अस्वाहको छोड कर, अगर सख्ये हो” (१३) पस अगर न जवाब दें तुमको,

فَاعْلَمُوا اَنَّ مَا اُنزِلَ بِعِلْمِ اللّٰهِ وَاَنْ لَا اِلٰهَ اِلَّا هُوَ فَهَلْ اَنْتُمْ

तो जान लो कि वोड नाजिल किया गया है अस्वाहके ईल्मसे, और यह, कि नहीं कोरि पूजनेके काबिल सिवा उसके, “तो क्या तुम लोग

مُسْلِمُوْنَ ۝۱۴ ۚ مَنْ كَانَ يُرِيْدُ الْحَيٰوةَ الدُّنْيَا وَزَيَّنَّا لَهَا لُوْفًا

तस्लीम करते हो ?” (१४) जो याहता हो दुन्यावी जिन्दगी और उसकी आराधशको, तो हम पूरा बदल

اِلَيْهِمْ اَعْمٰلَهُمْ فِيْهَا وَهُمْ فِيْهَا لَا يُبْخَسُوْنَ ۝۱۵ ۚ اُولٰٓئِكَ الَّذِيْنَ

देंगे उनके आ'मालका, और उसमें कमी न की जायेगी (१५) यही हें वोड, कि

لَيْسَ لَهُمْ فِي الْاٰخِرَةِ اِلَّا النَّارُ ۗ وَحِطَّ مَا صَنَعُوا فِيْهَا وَبِطُلُ

नहीं जिनके लिये आभिरतमें मगर आग. और मलिया भैट हो गये जो उन्होंने दुन्यामें किया, और नेस्त हो गये

مَا كَانُوْا يَعْمَلُوْنَ ۝۱۶ ۚ اَفَمَنْ كَانَ عَلٰى بَيِّنَةٍ مِّنْ رَّبِّهِ وَيَتْلُوْهُ

जो आ'माल थे (१६) क्या तो जो हो अपने परवरदिगारकी तरफसे रौशन दलील पर और बयान करता हो उसको

شٰهِدٌ مِّنْهُ وَمِنْ قَبْلِهِ كُتُبٌ مُّوسٰى اِمَامًا وَرَحْمَةً ۗ اُولٰٓئِكَ

अस्वाहकी तरफसे आया हुवा गवाह, और उसके पडलेसे मूसाकी किताब पेशवा और रहमत, वोड लोग

يُؤْمِنُوْنَ بِهِ ۗ وَمَنْ يَكْفُرْ بِهِ مِنَ الْاَحْزَابِ فَالِنَّارُ مَوْعِدُهُ ۗ

मानते हें उस वहीको. और जो ईन्कार करे उसका सारे गिरोहोंसे, तो आग उसके वा'देका मकाम है.

فَلَا تَكُ فِي مِرْيَةٍ مِّنْهُ إِنَّهُ الْحَقُّ مِن رَّبِّكَ وَلَكِنَّ أَكْثَرَ

तो तुम न हो उसकी तरफसे किसी शकमें. बेशक वो उक है तुम्हारे रबकी तरफसे, लेकिन ओउतरे

النَّاسِ لَا يُؤْمِنُونَ ﴿۱۷﴾ وَمَنْ أَظْلَمُ مِمَّنِ افْتَرَىٰ عَلَى اللَّهِ

लोग नहीं मानते (१७) और ठससे बडा अंधेर मयानेवाला कौन है, जो ठकितरा करे अल्लाह पर

كَذِبًا ۖ أُولَٰئِكَ يُعْرَضُونَ عَلَىٰ رَبِّهِمْ وَيَقُولُ الْأَشْفَادُ هَٰؤُلَاءِ

जूट, वोड लोग पेश किये जअंगे अपने परवरदिगार पर, और भयान देंगे गवाड लोग, कि यड हें

الَّذِينَ كَذَّبُوا عَلَىٰ رَبِّهِمْ ۖ آلَا لَعْنَةُ اللَّهِ عَلَى الظَّالِمِينَ ﴿۱۸﴾ الَّذِينَ

जिन्होंने जूट बांधा था अपने परवरदिगार पर. भबरदार ! अल्लाहकी ला'नत है ठन अंधेर मयानेवालों पर (१८) जो

يَصُدُّونَ عَن سَبِيلِ اللَّهِ وَيَبْغُونَهَا عِوَجًا ۖ وَهُمْ بِالْآخِرَةِ

रोकें अल्लाहकी राडसे, और यालें ठसमें टेढापन. और वोडी आभिरतके

هُمْ كَافِرُونَ ﴿۱۹﴾ أُولَٰئِكَ لَمْ يَكُونُوا مُعْجِزِينَ فِي الْأَرْضِ وَمَا

मुन्किर हें (१९) न यड जमीनमें आजिज कर देनेवाले हें, और न

كَانَ لَهُمْ مِّن دُونِ اللَّهِ مِن أَوْلِيَاءٍ يُضَعِفُ لَهُمْ الْعَذَابُ

ठनके अल्लाहके मुकाबले पर बनाअे डूअे कुछ डिमायती हें... दो यन्ड अजाब दिया जअेगा ठन्डें,

مَا كَانُوا يَسْتَطِيعُونَ السَّمْعَ وَمَا كَانُوا يُبْصِرُونَ ﴿۲۰﴾ أُولَٰئِكَ الَّذِينَ

कि न सुन सकते थे, और न देखते थे (२०) वोडी है के

خَسِرُوا أَنفُسَهُمْ وَضَلَّ عَنْهُمْ مَا كَانُوا يَفْتَرُونَ ﴿۲۱﴾ لَاجِرًا أَنَّهُمْ

दिवाडिया कर दिया पुड अपना और गुम हो गया जो ठकितरा करते थे (२१) नायार, वोडी

فِي الْآخِرَةِ هُمُ الْآخِسُونَ ﴿۲۲﴾ إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ

आभिरतमें घाटेमें हें (२२) बेशक जो मान गअे, और नेक काम किये,

وَآخَبُوا إِلَىٰ رَبِّهِمْ ۖ أُولَٰئِكَ أَصْحَابُ الْجَنَّةِ هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ﴿۲۳﴾

और रुक पडे अपने परवरदिगारकी तरफ, वोड हें जन्नतवाले. वोड ठसमें डमेशा रहनेवाले हें (२३)

مِثْلَ الْفَرِيقَيْنِ كَالْأَعْنَىٰ وَالْأَصَمِّ وَالْبَصِيرِ وَالسَّيِّعِ ۗ هَلْ

दोनों इरीककी मिषाल है, जैसे अन्धा ओडरा, और आंभ कानवाला. क्या

يَسْتَوِينَ مَثَلًا أَفَلَا تَذَكَّرُونَ ٢٤٠ وَلَقَدْ أَرْسَلْنَا نُوحًا إِلَىٰ قَوْمِهِ

दोनोंकी मिथाल बराबर है? क्या तो तुम नहीं सोचते (२४) और भेशक हमने त्जेन नूहको उनकी कौमकी तरफ, कि भेशक,

إِنِّي لَكُمْ نَذِيرٌ مُّبِينٌ ٢٤١ أَنْ لَا تَعْبُدُوا إِلَّا اللَّهَ إِنِّي أَخَافُ عَلَيْكُمْ

में तुम्हारे लिये भुवा हुवा डर सुनानेवाला हूँ (२५) यह कि न पूजे अल्लाहके सिवा. भेशक में डरता हूँ हुब

عَذَابِ يَوْمِ إِلْيَوْمِ ٢٤٢ فَقَالَ الْمَلَائِكَةُ الَّذِينَ كَفَرُوا مِنْ قَوْمِهِ مَا

देनेवाले दिनके अजाबको तुम पर (२६) तो बोले चौधरी लोग उस कौमके जो काफिर थे, “कि हम नहीं देभते

نَرَاكَ إِلَّا بَشَرًا مِّثْلَنَا وَمَا نَرَاكَ اتَّبَعَكَ إِلَّا الَّذِينَ هُمْ أَرَادُوا

तुमको मगर अपना जैसा अशर, और हम नहीं देभते कि तुम्हारी पैरवीकी किसीने, मगर वोह जो हममें कमीने

بَادِيَ الرَّأْيِ وَمَا نَرَىٰ لَكُمْ عَلَيْنَا مِنْ فَضْلٍ بَلْ نَظُنُّكُمْ

हैं सरसरी रायसे, और हम नहीं देभते तुम्हारे लिये हम लोगों पर कोठ बडाठ, बल्कि हम भयाव करते हैं

كَاذِبِينَ ٢٤٣ قَالَ يَقَوْمِ أَرَأَيْتُمْ إِنْ كُنْتُ عَلَىٰ بَيِّنَةٍ مِّن رَّبِّي

तुमको झूटा” (२७) जवाब दिया “कि ओ कौम भला बताओ कि अगर मैं अपने परवरदिगारकी तरफसे रौशन दलील पर हूँ

وَإِنِّي رَحِيمٌ مِّنْ عِنْدِهِ فَعَبَّيْتُ عَلَيْكُمْ أَنْزِلُ فَمَكِّمُوهَا وَ

और अफ्श ही हो मुजको उसकी तरफसे रहमत, फिर तुम पर अन्धापन छा दिया गया, तो क्या हम थिपका हें उसे तुमसे, डालांकि

أَنْتُمْ لَهَا كَرِهُونَ ٢٤٤ وَيَقَوْمِ لَا سَأَلُكُمْ عَلَيْهِ مَا لَٰكِنِ أَنْ أَجْرِي

तुम उससे बेजार हो (२८) और ओ कौम नहीं मांगता ठस पर तुम्हारा माल. नहीं है मेरा अज

إِلَّا عَلَىٰ اللَّهِ وَمَا آتَا بِطَارِدِ الَّذِينَ آمَنُوا إِنَّهُمْ مُّلقُوا رَبَّهُمْ

मगर अल्लाह पर, और में उन्हें उटानेवाला नहीं जो ठमान वा चुके. भेशक वोह अपने परवरदिगारसे मिलनेवाले हैं,

وَلَكِنِّي أَرَاكُمْ قَوْمًا يَّجْهَلُونَ ٢٤٥ وَيَقَوْمِ مَنْ يَنْصُرُنِي مِنَ اللَّهِ

लेकिन में तुम्हें लोगों, देभता हूँ कि जडालत कर रहे हो (२९) और ओ कौम भला कौन भयनेमें मेरी मदद करेगा अल्लाहसे

إِنْ طَرَدْتُهُمْ أَفَلَا تَذَكَّرُونَ ٢٤٦ وَلَا أَقُولُ لَكُمْ عِنْدِي خَزَائِنُ

अगर मेंने उनको उटा दिया. तो क्या सोचसे काम ही नहीं लेते? (३०) और नहीं डेहता में तुम्हें कि मेरे ही पास अल्लाहके

اللَّهِ وَلَا أَعْلَمُ الْغَيْبَ وَلَا أَقُولُ إِنِّي مَلَكٌ وَلَا أَقُولُ لِلَّذِينَ

भजाने हैं, और न यही कि में, आखिमुल गैब हूँ, और न यही कडू, कि में इरिशता हूँ, और न में उन्हें कडू जिनको

تَزِدْرِي أَعْيُنَكُمْ لَنْ يُؤْتِيَهُمُ اللَّهُ خَيْرًا اللَّهُ أَعْلَمُ بِمَا فِي

तुम्हारी आंभें नाथीज जानती हें, कि कभी न देगा उनहें अल्लाह बेहतरी को. अल्लाह भुव जानता हे जो उन

أَنْفُسِهِمْ ۚ إِيَّايَ إِذَا لَسَنَ الظَّالِمِينَ ﴿٣١﴾ قَالُوا يَبْرُؤُكُمْ قَدْ جَدَلْنَا

के दिलोंमें हे. बेशक में औसा करूं, तो अंधेर मयानेवालोंसे हो जातीं” (३१) सब बोले “ओ नूह, तुम हमसे बहसे

فَاكْثَرْتَ جِدَالَنَا فَأْتِنَا بِمَا تَعِدُنَا إِنْ كُنْتَ مِنَ الصَّادِقِينَ ﴿٣٢﴾

तो बहोत बहसे, तो वे ही आओ जिससे हमको उरते हो अगर सच्योंसे हो” (३२)

قَالَ إِنَّمَا يَأْتِيَكُمْ بِهِ اللَّهُ إِنْ شَاءَ وَمَا أَنْتُمْ بِمُعْجِزِينَ ﴿٣٣﴾ وَلَا

जवाब दिया “कि उसको तो अल्लाह ही लायेगा अगर उसने याहा, और तुम उसके लिये रोक नहीं हो (३३) और न

يَنْفَعُكُمْ نُصْحِي إِنْ أَرَدْتُ أَنْ أَنْصَحَ لَكُمْ إِنْ كَانَ اللَّهُ يُرِيدُ

काम आयेगी तुम्हारे मेरी नसीहत अगर मैं याहूं कि तुम्हें नसीहत करूं. अगर अल्लाह यह याहता हे

أَنْ يُغْوِيَكُمْ هُوَ رَبُّكُمْ وَإِلَيْهِ تُرْجَعُونَ ﴿٣٤﴾ أَمْ يَقُولُونَ افْتَرَاهُ

कि तुम अपनी गुमराहीमें पड़ेर हो, वोड तुम्हारा परवरदिगार हे. और उसीकी तरफ लौटाये जाओगे” (३४) क्या यह सब कहेतेहें, कि गढ लिया हे उसको,

قُلْ إِنْ افْتَرَيْتُهُ فَعَلَىٰ إِجْرَامِي وَأَنَا بَرِيءٌ ۖ مِمَّا تُجْرِمُونَ ﴿٣٥﴾ وَ

जवाब दो “कि अगर मैंने उसे गढ लिया हे, तो मुज पर मेरा जुर्म हे, और मैं हूर हूं जो तुम जुर्म कर रहे हो” (३५) और

أَوْحَىٰ إِلَىٰ نُوْحٍ أَنَّهُ لَنْ يُؤْمِنَ مِنْ قَوْمِكَ إِلَّا مَنْ قَدْ آمَنَ

वहीकी गठ नूहकी तरफ “कि बेशक हरगिज न मानेंगे तुम्हारी कौमसे मगर जो पहले मान चुके, तो

فَلَا تَبْتَئِسْ بِمَا كَانُوا يَفْعَلُونَ ﴿٣٦﴾ وَاصْنَعِ الْفُلْكَ بِأَعْيُنِنَا وَ

तुम कुछ किंक न करो जो वोड करते रहे (३६) और कशती बना डालो हमारी निगरानीमें और

وَحِينَا وَلَا تُخَاطِبْنِي فِي الَّذِينَ ظَلَمُوا ۖ إِنَّهُمْ مُّغْرَقُونَ ﴿٣٧﴾ وَ

हमारे काठडेसे. और कुछ न केडना मुजसे उनके बारेमें जो अंधेर मया चुके, बिलाशुबल वोड गर्क कर दिये गओ” (३७) और

يَصْنَعِ الْفُلْكَ تَوَكَّلْ عَلَىٰ اللَّهِ مَلَأَ مِنْ قَوْمِهِ سَخِرُوا مِنْهُ

वोड कशती बना रहे हें... और जब जब गुजरे उन पर उनकी कौमके चौधरी, तो हंसी उडाने लगे उनसे.

قَالَ إِنْ تَسْخَرُوا مِنَّا فَإِنَّا نَسْخَرُ مِنْكُمْ كَمَا تَسْخَرُونَ ﴿٣٨﴾ فَسَوْفَ

जवाब दिया “कि अगर मस्भरापन कर रहे हो हमसे, तो बिलाशुबल हम भी हंसेंगे तुमसे, जिस तरड तुम ठंडे लगाते हो” (३८) तो जह

تَعْلَمُونَ مَنْ يَأْتِيهِ عَذَابٌ يُخْزِيهِ وَيَحِلُّ عَلَيْهِ عَذَابٌ مُّقِيمٌ ﴿٣٩﴾

मा'लूम कर लोगे कि कौन है, कि आये उस तक अजाब, कि उसको रुस्वा कर दे और उतरे उस पर वोह अजाब जो काँठम रल जाये (उ८)

حَتَّىٰ إِذَا جَاءَ أَمْرُنَا وَفَارَ التَّنُّورُ ۗ قُلْنَا احْمِلْ فِيهَا مِنْ كُلِّ

यहाँ तक कि जब आ गया हमारा इरमान, और जोश मारा तन्नूरने, हमने हुकम दिया कि लाद लो उसमें हर अक

زَوْجَيْنِ اثْنَيْنِ وَأَهْلَكَ إِلَّا مَنْ سَبَقَ عَلَيْهِ الْقَوْلُ وَمَنْ آمَنٌ

के जोड़े, नरमादा और अपने अहलो अयालको, भ ईस्तिष्मा उनके जिन पर भात पहले तै हो युकी, और उनको जो ईमान ला युके.

وَمَا مِنْ مَعَةٍ إِلَّا قَلِيلٌ ﴿٤٠﴾ وَقَالَ ارْكَبُوا فِيهَا بِسْمِ اللَّهِ هَجْرًا

और नहीं ईमान लाये उनके साथी मगर थोड़े (४०) और उनकोने सभसे कडा, कि "सवार हो जाओ उसमें, नामसे अल्लाहके उसका यलना

وَمَرَسَهَا ۚ إِنَّ رَبِّي لَغَفُورٌ رَحِيمٌ ﴿٤١﴾ وَهِيَ تَجْرِي بِهِمْ فِي مَوْجٍ

है और ठहरना है, बेशक मेरा परवरदिगार यकीनन मझिरत इरमानेवाला बभनेवाला है" (४१) और वोह यल रही उनको लिये ऐसी मौजमें जैसे

كَالْحَبَالِ ۗ وَنَادَىٰ نُوحٌ ابْنَهُ وَكَانَ فِي مَعْزِلٍ سُبْحٰنَ رَبِّكَ

पडास... और पुकारा नूडने अपने बेटेको, जबकि वोह था अलग, "कि ऐ बेटा सवार हो जा

مَعَنَا وَلَا يَكُنْ مَعَ الْكَافِرِينَ ﴿٤٢﴾ قَالَ سَأُوۡمِيۡ اِلَىٰ جَبَلٍ يَّعَصِمُنِي

हमारे साथ और न रह जा काकिरोके साथ" (४२) बोला "कि अभी अभी पनाह लिये लेता हूँ किसी पडासकी, जो कि मुजको बया लेगा

مِنَ الْمَآءِ ۗ قَالَ لَا عَاصِمَ الْيَوْمَ مِنْ أَمْرِ اللَّهِ إِلَّا مَنْ رَحِمَ ۗ وَ

पानीसे." जवाब दिया "कि नहीं बयानेवाला आज अल्लाहके कहर मानसे, मगर जिस पर उसीने रलम इरमाया," और

حَالٍ بَيْنَهُمَا التَّوَجُّهُ فَكَانَ مِنَ الْمُنْعَرِقِينَ ﴿٤٣﴾ وَقِيلَ يَا رَجُلُ ائْتِنِي

दरमियान आ गरु उन दोनोंके मौज, तो वोह इधनेवालोंसे हो युका था (४३) और इरमान सादिर किया गया, कि "ऐ जमीन निगल

مَاءِكَ وَيَسْمَأْ أَقْلِعِي وَغِيضَ الْمَآءِ وَقُضِيَ الْأَمْرُ وَاسْتَوَتْ

जा अपने पानीको, और ऐ आस्मान थम जा," और सुभा दिया गया पानी, और भत्म कर दिया गया मुआमला, और ठहरी कशती

عَلَى الْجُودِيِّ وَقِيلَ بُعْدًا لِلْقَوْمِ الظَّالِمِينَ ﴿٤٤﴾ وَنَادَىٰ نُوحٌ رَبَّهُ

जूही पडास पर, और ऐ'लान कर दिया गया "कि दूर हों अंधेर मयानेवाले लोग" (४४) और पुकारा नूडने अपने परवरदिगार

فَقَالَ رَبِّ إِنَّ ابْنِي مِنْ أَهْلِي وَإِنَّ وَعْدَكَ الْحَقُّ وَأَنْتَ أَحْكَمُ

को, पस अर्ज किया "कि ऐ मेरे परवरदिगार, मेरा बेटा तो मेरे अहलसे हुवा, और तेरा वा'दा डक है, और तू सभसे

الْحَكِيمِينَ ﴿٤٥﴾ قَالَ يَتُوحَّأَنَّ لَكَ مِنْ أَهْلِكَ إِنَّهُ عَمَلٌ غَيْرُ

صالحٍ ۚ فَلَا تَصْنَعُ لَكَ بِهِ عِلْمًا ۗ إِنَّي أَخْشَىٰ أَن تَكُونَ

مِنَ الْجَاهِلِينَ ﴿٤٦﴾ قَالَ رَبِّ إِنِّي أَعُوذُ بِكَ أَنْ أَسْأَلَكَ مَا لَيْسَ

لِي بِهِ عِلْمٌ وَإِلَّا تَغْفِرْ لِي وَتَرْحَمْنِي أَكُن مِّنَ الْخَسِرِينَ ﴿٤٧﴾

قِيلَ يَتُوحَّأُ أَهْبَاطًا مِّنَ السَّمَاءِ وَبَرَكْتَ عَلَيْكَ وَعَلَىٰ أُمَمٍ مِّمَّنْ

مَعَكَ ۗ وَأُمَّمٌ سَنُنَبِّئُ عَنْهُمْ ثُمَّ يُنَادُونَكَ بِالْحَقِّ وَأنتَ تَكْفُرُ ﴿٤٨﴾

مِنَ الْأَنْبِيَاءِ الْغَيْبِ نُوحِيهَا إِلَيْكَ ۖ مَا كُنْتَ تَعْلَمُهَا أَنتَ وَلَا قَوْمُكَ

مِن قَبْلِ هَذَا ۗ فَاصْبِرْ ۗ إِنَّ الْعَاقِبَةَ لِلصَّالِحِينَ ﴿٤٩﴾ وَإِلَىٰ عَادِ

أَخَاهُمْ هُودًا ۗ قَالَ لِقَوْمِ أَعْدَائِهِ ۖ إِنَّي رَسُولٌ مِّن رَّبِّ غَيْرِكُمْ ۗ

إِن أَنْتُمْ إِلَّا مُفْتَرُونَ ﴿٥٠﴾ لِقَوْمِ لَأَسْأَلُكُمْ عَلَيْهِ أَجْرًا ۖ إِن أَنجَرِي

إِلَّا عَلَىٰ الَّذِي فَطَرَنِي ۗ أَفَلَا تَعْقِلُونَ ﴿٥١﴾ وَيَقَوْمِ اسْتَعْفِرُوا

رَبَّكُمْ ثُمَّ تَوَبُّوا إِلَيْهِ ۖ يُرْسِلِ السَّمَاءَ عَلَيْكُمْ مِدْرَارًا وَيَزِدْكُمْ

مِنَ الْجِبَالِ مِن دُونِهَا مِطْرًا مِّمَّا يَخْرُجُ فِي السَّاعَةِ مِنَ الْوُبِّ وَالْجِبَالِ ۗ

وَيُرْسِلِ السَّمَاءَ عَلَيْكُمْ مِدْرَارًا وَيَزِدْكُمْ مِّنَ الْجِبَالِ مِن دُونِهَا

مِطْرًا مِّمَّا يَخْرُجُ فِي السَّاعَةِ مِنَ الْوُبِّ وَالْجِبَالِ ۗ وَرَبُّكَ عَلَىٰ

كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٥٢﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٥٣﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٥٤﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٥٥﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٥٦﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٥٧﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٥٨﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٥٩﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٦٠﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٦١﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٦٢﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٦٣﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٦٤﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٦٥﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٦٦﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٦٧﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٦٨﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٦٩﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٧٠﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٧١﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٧٢﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٧٣﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٧٤﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٧٥﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٧٦﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٧٧﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٧٨﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٧٩﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٨٠﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٨١﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٨٢﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٨٣﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٨٤﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٨٥﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٨٦﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٨٧﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٨٨﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٨٩﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٩٠﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٩١﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٩٢﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٩٣﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٩٤﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٩٥﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٩٦﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٩٧﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٩٨﴾ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿٩٩﴾

وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿١٠٠﴾

۱۲
۲۰۲۰

قُوَّةً إِلَىٰ قُوَّتِكُمْ وَلَا تَتَوَكَّلُوا مُجْرِمِينَ ﴿٥٢﴾ قَالُوا يَهُودُ مَا جِئْتَنَا

को मज़ीद कुव्वत देगा, और न पल्टो मुजरिम हो कर” (५२) सब बोले “कि औ हूँद तुम नहीं लाओ हमारे

بَيِّنَةٍ وَمَا نَحْنُ بِتَارِكِي الْهَيْتَانِ عَنْ قَوْلِكَ وَمَا نَحْنُ لَكَ

पास रौशन दलील, और हम अपने बुतोंको तुम्हारे केहनेसे छोडनेवाले नहीं, और न हम तुमको

بُؤْمِنِينَ ﴿٥٣﴾ إِنْ نَقُولُ إِلَّا اعْتَرَاكَ بَعْضُ الْهَيْتَانِ بِسُوِّ قَالِ

मानें (५३) हम नहीं केहते, मगर यह कि बुरी जपट मारी है तुमको हमारे किसी मा'बूदने.” जवाब दिया

إِنِّي أَشْهَدُ اللَّهَ وَأَشْهَدُ وَأَنتِي بَرِيءٌ قَبْلًا شُرْكُوكَ مِنْ دُونِ

“कि मेरा अल्लाह गवाह है और तुम लोग भी गवाह रहो कि मैं बेजार हूँ जिसको तुम लोग शरीक बनाते हो (५४) अल्लाहको छोड कर,

فَكَيْدٌ وَنِي جَبِيحًا ثُمَّ لَا تُنظِرُونَ ﴿٥٥﴾ إِنِّي تَوَكَّلْتُ عَلَى اللَّهِ رَبِّي

तो तुम सब मिल कर मुज पर थोट करो, फिर कुछ भी मोहलत न दओ (५५) मैं ने त्मरोसा कर लिया अल्लाह पर, मेरा परवरदिगार

وَرَبِّكُمْ مِمَّنْ دَابَّتْ إِلَّا هُوَ أَخَذَ بِنَاصِيَتِهَا إِنَّ رَبِّي عَلَىٰ صِرَاطٍ

और तुम सबका पालनहार. कोठ खलनेवाला नहीं मगर वोड पकडे है उसकी थोटी. बेशक मेरा परवरदिगार सीधी

مُسْتَقِيمٍ ﴿٥٦﴾ فَإِنْ تَوَلَّوْا فَقَدْ أَبْلَغْتُكُمْ مَا أُرْسَلْتُ بِهِ إِلَيْكُمْ وَ

राह पर मिलता है (५६) पस अगर तुमने बेरुभीकी, तो मैंने तो पछोया दिया तुमको जिसके साथ मैं भेजा गया हूँ तुम्हारी तरफ, और

يَسْتَخْلِفُ رَبِّي قَوْمًا غَيْرَكُمْ وَلَا تَضُرُّونَهُ شَيْئًا إِنَّ رَبِّي عَلَىٰ

तुम्हारी जगह लाओगा मेरा परवरदिगार तुम्हारे सिवा दूसरोंको, और तुम न बिगाड सकोगे उसका कुछ. बेशक मेरा परवरदिगार

كُلِّ شَيْءٍ حَفِيظٌ ﴿٥٧﴾ وَلَمَّا جَاءَ أَمْرُنَا نَجَّيْنَا هُودًا وَالَّذِينَ آمَنُوا

हर ओकका निगेहबान है” (५७) और जब आ पछोया हमारा इरमाने अजाब, तो बया लिया हमने हूँदको और जो ईमान ला चुके थे

مَعَهُ بِرَحْمَةٍ مِنَّا وَنَجَّيْنَاهُمْ مِّنْ عَذَابٍ غَلِيظٍ ﴿٥٨﴾ وَتِلْكَ عَادٌ

उनके साथ अपनी रहमतसे, और बया लिया हमने उन्हें गाढे अजाबसे (५८) यह हूँ आद...

مُحَدِّثَاتٍ وَأَبَائِهِمْ وَعَصَاؤُهُمْ وَأَتَّبَعُوا أَمْرَ كُلِّ جَبَّارٍ

जिन्होंने ठंकार कर दिया अपने परवरदिगारकी आयतोंका, और ना इरमानीकी उसके रसूलोंकी, और यले हर सरकश उटधर्म

عَنِيٍّ ﴿٥٩﴾ وَأَتَّبَعُوا فِي هَذِهِ الدُّنْيَا لَعْنَةً وَيَوْمَ الْقِيَامَةِ إِلَّا إِنْ

की खाल (५९) और उनके पीछे लगा दी गई ईस दुन्यामें ला'नत और कयामतके दिन. पभरदार !

عَادًا كَفَرُوا رَبَّهُمْ ۗ أَلَا بُعِدَ الْعَادِ قَوْمِ هُودٍ ۖ وَإِلَىٰ شُودِ أَخَاهُمْ

आदने कुफ़ किया अपने परवरदिगारसे. हां हां दूर हां आद, कौमे हूँ (६०) और धमूहकी तरफ़ उनकी बिरादरीके

طليحًا قَالَ يَقَوْمِ اعْبُدُوا اللَّهَ مَا لَكُمْ مِنِّ إِلَهٍ غَيْرُهُ ۗ هُوَ

सावेहको... उन्होंने ता'लीमदी "कि ऐ मेरी कौम पूजो अल्लाहको, तुम्हारा कोई मा'बूह नहीं उसके सिवा. उसीने

أَنْشَأَكُمْ مِنَ الْأَرْضِ وَاسْتَعْمَرَكُمْ فِيهَا فَاسْتَغْفِرُوهَ ثُمَّ تَوَلَّوْا

तुमको मिट्टीसे बनाया, और उसमें तुमको बसाया. तो उससे मज्फ़रत याहो, फिर उसकी तरफ़

إِلَيْهِ ۗ إِنَّ رَبِّي قَرِيبٌ مُّجِيبٌ ۖ قَالُوا يَصِلِحْ قَدْ كُنْتَ فِينَا مَرْجُوًّا

जुको, भेशक मेरा परवदिगार करीब है हुआ कबूल करनेवाला है" (६१) सब लोग बोले "कि ऐ सावेह तुम तो हममें उम्मीदगाह थे

قَبْلَ هَذَا أَتَنْهَدُنَا أَنْ نَعْبُدَ مَا يَعْبُدُ آبَاؤُنَا وَإِنَّا لَفِي شَكِّ مِمَّا

उससे पहले, क्या तुम हमको रोकते हो, कि हम पूजें जिसको मा'बूह माना किये हमारे बापदादे, और हम तो तरदुहमें हैं

تَدْعُونَا إِلَيْهِ مُرِيبٌ ۖ قَالَ يَقَوْمِ أَرَأَيْتُمْ إِنْ كُنْتُمْ عَلَىٰ بَيِّنَةٍ

उससे ज़िधर तुम हमको बुलाते हो शकमें पडे हूँ" (६२) जवाब दिया "कि ऐ कौम बताओ तो, कि मैं तो रौशन दलील पर हूँ

مِّن رَّبِّي وَإِنِّي مِنَ اللَّهِ بِرَحْمَةٍ فَمَنْ يَتَّصِرُنِي مِنَ اللَّهِ إِنْ

अपने परवरदिगारकी तरफ़से, और आर्ह है मेरे पास उसकी तरफ़से रहमत, तो भयाने में कौन मदद करेगा मेरी अल्लाहसे,

عَصَيْتُمْ ۗ فَمَا تَزِيدُونَ بِنِيِّ غَيْرِ تَحْسِيرٍ ۖ وَيَقَوْمِ هَذِهِ نَاقَةُ اللَّهِ

अगर कहीं मैंने नाकरमानीकी उसकी.. तो तुम कुछ न बढा सकोगे मुज्जमें भज्ज्ज अपने घाटेके (६३) और ऐ कौम यह अल्लाहकी उाटनी है तुम्हारे

لَكُمْ آيَةٌ فَذُرُّوهَا تَأْكُلُ فِي أَرْضِ اللَّهِ وَلَا تَسْوَهًا بِسُوءٍ

बिये निशानी, तो उसको छोटा रभो कि भाये अल्लाहकी जमीनमें, और उसको मत धूना भुराईसे,

فِي آخِذِكُمْ عَذَابٌ قَرِيبٌ ۖ فَعَقَرُوهَا فَقَالَ تَسْعَوْنَ فِي دَارِكُمْ

कि पकडे तुमको नजदीक ही अजाब" (६४) तो उन लोगोंने कौयें काट दी उसकी, तो कछा सावेहने "कि रह लो अपने

ثَلَاثَةَ أَيَّامٍ ۗ ذَلِكَ وَعْدٌ غَيْرٌ مَّكْدُوبٍ ۖ فَلَمَّا جَاءَ أَمْرُنَا مُجِيبًا

घरमें तीन दिन, यह वा'दा है, जूट न डोगा" (६५) पस जब आ गया हमारा कहर मानी हुकम, तो भया बिया हम

طليحًا وَالَّذِينَ آمَنُوا مَعَهُ بِرَحْمَتِنَا ۖ وَمِن خَزْيٍ يَوْمَئِذٍ إِنَّ

ने सावेहको, और जो मान चुके थे उनके साथ अपनी तरफ़से रहमत करके, और उस दिनकी रुस्वाईसे. भेशक

رَبِّكَ هُوَ الْقَوِيُّ الْعَزِيزُ ﴿٤٩﴾ وَأَخَذَ الَّذِينَ ظَلَمُوا الصَّيْحَةَ

तुम्हारा परवरदिगार कबी गालिब है (६६) और धरपकड़ा उनको जो अंधेर मया युके थे अक सप्त थिंघाडने, तो परे

فَأَصْبَحُوا فِي دِيَارِهِمْ جِثِيْنٌ ﴿٥٠﴾ كَانَتْ لَمْ يَعْنُوا فِيهَا الْآرَاتِ

रह गये वोड अपने घरोंमें, सुकडे घुटनों पर (६७) गोया उन घरोंमें कभी रहे ही न थे. याद रभो कि

تَشُودًا كَفَرُوا رَبَّهُمْ إِلَّا بَعْدَ الشُّوْدِ ﴿٥١﴾ وَلَقَدْ جَاءَتْ رُسُلَنَا

धमूदने कुङ किया अपने परवरदिगारसे, हां हां दूर हां धमूद (६८) और बेशक लाये डमारे कई कासिद

إِبْرَاهِيْمَ بِالْبَشْرَى قَالُوا سَلْمًا قَال سَلْمًا فَمَا لَبِثَ أَنْ جَاءَ

ईब्राहीमके पास भुशभबरी, पडले कडा सलाम. जवाब दिया सलाम, फिर कुङ ठहरे नहीं, कि ले आये

بِعَجْلٍ حَنِيْدٍ ﴿٥٢﴾ فَلَمَّا رَأَى أَيْدِيَهُمْ لَا تَصِلُ إِلَيْهِمْ تَكَرَّهُمْ وَأَوْجَسَ

अक बछडा भुना हुवा (६९) फिर जब देभा उनके हाथोंको कि नहीं पडोंयता उस तक, तो बेगाना जाना उनको, और डिल ही डिलमें

مِنْهُمْ خِيْفَةً قَالُوا لَا تَخَفْ إِنَّا أَرْسَلْنَا إِلَى قَوْمِ لُوطٍ ﴿٥٣﴾ وَأَمْرًا

उनकी तरङसे पड गया डर. सभने कडा कि डरिये नहीं, डम भेजे गये हैं कौमे लूतकी तरङ (७०) और उनकी भीभी

قَائِمَةً فَضَحِكْتْ فَبَشَّرْنَاهَا بِإِسْحَاقَ وَمِنْ وَرَاءِ إِسْحَاقَ يَعْقُوبَ ﴿٥٤﴾

पडी डंस पडी, तो भुशभबरी दी डमने उनको ईसहाककी, और ईसहाकके बा'द या'कूब (७१)

قَالَتْ يَوَيْلَتِي أَلِدُ وَأَنَا عَجُوزٌ وَهَذَا بَعْلِي شَيْخًا إِنَّ هَذَا لَشَيْءٌ

वोड बोलीं, "कि डाने मुसीबत, क्या में जनुंगी, डालांकि में बुढी हूं और यड मेरे शौडर बूढे हैं. बेशक यड तो अनोपी

عَجِيْبٌ ﴿٥٥﴾ قَالُوا أَتَعْجَبِيْنَ مِنْ أَمْرِ اللَّهِ رَحِمَتُ اللَّهِ وَبَرَكَتُهُ

शीड है" (७२) उन सभने कडा, कि क्या तुमको अयंभा है अल्लाडके डुकमसे ? अल्लाडकी रडमत और उसकी डरकतें

عَلَيْكُمْ أَهْلَ الْبَيْتِ إِنَّهُ حَمِيْدٌ مُجِيْدٌ ﴿٥٦﴾ فَلَمَّا ذَهَبَ عَنْ إِبْرَاهِيْمَ

तुम पर हैं अै ईस घरवालो. बेशक वोड अल्लाड भुभियोंवाला अडमतवाला है (७३) पस जब दूर डो गया ईब्राहीमसे

الرُّوعُ وَجَاءَتْهُ الْبَشْرَى مُبَادِلِنَا فِي قَوْمِ لُوطٍ ﴿٥٧﴾ إِنَّ إِبْرَاهِيْمَ

भौक, और आ गई उन तक भुशभबरी, तो डमसे सवाल पर सवाल करने लगे, कौमे लूतके डारेमें (७४) बेशक ईब्राहीम डरूर

لَحِيْمٌ أَوْ آهٌ مُنِيْبٌ ﴿٥٨﴾ يَا إِبْرَاهِيْمُ أَعْرِضْ عَنْ هَذَا إِنَّهُ قَدْ جَاءَ

भुर्डभार, आडो नावा वाले, अल्लाडकी तरङ रूजूर करनेवाले हैं (७५) अै ईब्राहीम ईस डानसे दूर डो. बेशक आ गया

أَمْرِيكَ وَإِنَّهُمْ آتِيهِمْ عَذَابٌ غَيْرُ مَرْدُودٍ ﴿٥١﴾ وَلَمَّا جَاءَتْ رُسُلُنَا

तुम्हारे परवरदिगारका हुक्म. और बेशक ठन पर अजाब आनेवाला है जो वापस न हो (७६) और जब आ गये हमारे कासिद

لُوطًا سَيِّئًا بِهِمْ وَضَاقَ بِهِمْ ذُرْعًا وَقَالَ هَذَا يَوْمٌ عَصِيبٌ

लूतके पास तो भुरा माना उन्हें, और दिल तंग हुआ उनसे बेहद, और कडा कि आजका दिन सप्त है (७७)

وَجَاءَهُ قَوْمُهُ يُهْرَعُونَ إِلَيْهِ وَمِنْ قَبْلُ كَانُوا يَعْمَلُونَ

और आठ उनके पास उनकी कौम भागदौड करती. और वोड पहले हीसे बढकारियां करते थे.

السَّيِّئَاتِ ۗ قَالَ يَقَوْمِ هَؤُلَاءِ بَنَاتِي هُنَّ أَطْهَرُ لَكُمْ فَاتَّقُوا اللَّهَ وَ

लूतने कडा कि “अै कौम, यह मेरी लडकियां हैं, वोड तुम्हारे लिये साफसुथरी हैं, तो अल्लाहको डरो. और

لَا تَخْزَوْنَ فِي ضَيْفِي ۗ أَلَيْسَ مِنْكُمْ رَجُلٌ رَّشِيدٌ ۗ ﴿٥٢﴾ قَالُوا لَقَدْ

मुजको मेरे मेहमानोंमें रुस्वा न करो. क्या तुममें कोठ अखी यालका नहीं है” (७८) सभ बोले, कि “तुम जान

عَلِمْتَ مَا لَنَا فِي بَنَاتِكَ مِنْ حَقٍّ ۗ وَإِنَّكَ لَتَعْلَمُ مَا نُرِيدُ ۗ قَالَ

सुके हो कि हमारा तुम्हारी बेटियोंमें कोठ डक नहीं है. और बेशक तुम जानते हो जिसकी ज्वाडिश हम रभते हैं” (७८) लूतने कडा

لَوْ أَنَّ لِي بِكُمْ قُوَّةٌ أَوْ آوَىٰ إِلَىٰ رُكْنٍ شَدِيدٍ ۗ ﴿٥٣﴾ قَالُوا يَلُوطُ إِنَّا

“काश कि मैं तुम्हारे मुकाबलेकी ताकत रभता, या किसी मजबूत पायेकी पनाहमें होता” (८०) हमारे कासिद बोले “कि

رُسُلُ رَبِّكَ لَنْ يَصِلُوا إِلَيْكَ فَأَسْرِ بِأَهْلِكَ بِقِطْعٍ مِّنَ اللَّيْلِ

अै लूत, हम तुम्हारे परवरदिगारके कासिद हैं, यह नहीं पछोच सकते तुम तक, तो ले जाओ अपने घरवालोंको शभा शभ,

وَلَا يَلْتَفِتْ مِنْكُمْ أَحَدٌ إِلَّا أَمْرَاتَكَ ۗ إِنَّهُ مُصِيبُهَا مَا أَصَابَهُمْ

और न पीठ फेरे तुममेंसे कोठ, मगर तुम्हारी भीभी, उसको वोही पछोचनेवाला है जो उन सभको पछोचया.

إِنَّ مَوْعِدَهُمُ الصُّبْحُ ۗ أَلَيْسَ الصُّبْحُ بِقَرِيبٍ ۗ ﴿٥٤﴾ فَلَمَّا جَاءَ أَمْرُنَا

बेशक उनके वा'देका वक्त सुबह है, क्या सुबह नजदीक नहीं है? (८१) तो जब आ गया हमारा कहरमानी इरमान,

جَعَلْنَا عَلَيْهَا سَافِلَهَا وَأَمْطَرْنَا عَلَيْهَا حِجَارَةً مِّن سِجِّيلٍ ۗ

तो कर दिया हमने उसको तखो बावा, और भरसाया उन पर पथरिले टुकडे कंकडे...

مَنْضُودٍ ۗ ﴿٥٥﴾ مَسُومَةٌ عِنْدَ رَبِّكَ ۗ وَمَا هِيَ مِنَ الظَّالِمِينَ بِبَعِيدٍ

लगातार (८२) निशान दिये हुआ तुम्हारे परवरदिगारके यहाँ. और नहीं हैं वोड पथर ठन अंधेर मयानेवालोंसे कुछ दूर (८३)

وَالِى مَدْيَنَ أَخَاهُمْ شُعَيْبًا ۖ قَالَ يَوْمِ اعْبُدُوا اللَّهَ مَا لَكُمْ

और मद्यनकी तरफ़ उनकी बिरादरीके शुअैबको. उन्होंने पैगामदिया “कि अै कौम अल्लाहकी पूजे, उसके

مِنَ إِلَهِ غَيْرِهِ ۖ وَلَا تَنْقُصُوا الْمِكْيَالَ وَالْمِيزَانَ إِنِّي أُرِيكُمْ

सिवा तुम्हारा कोठे मा'बूद नहीं. और मत कमी करो नाप और तोलमें. मैं दर डकीकत तुमको

بِخَيْرٍ وَإِنِّي أَخَافُ عَلَيْكُمْ عَذَابَ يَوْمٍ مُّحِيٓطٍ ۝ ٧٣ وَيَقَوْمِ أَتَوْا

देभ रखा हूँ इरागतके साथ. और मुजे वाकेठे डर लगता है तुम पर घेरा डालनेवाले दिनके अजाबका (८४) और अै कौम पूरा रभो

الْمِكْيَالَ وَالْمِيزَانَ بِالْقِسْطِ ۖ وَلَا تَبْخَسُوا النَّاسَ أَشْيَاءَهُمْ

नाप और तोलकी ईन्साइसे, और न कम दिया करो लोगोंकी उनकी चीजें,

وَلَا تَعْتُوا فِي الْأَرْضِ مُفْسِدِينَ ۝ ٧٤ بَقِيَّتُ اللَّهِ خَيْرٌ لَّكُمْ إِنِ

और न इरो जमीनमें इसाद मथाते (८५) अल्लाहकी दैनसे जो भय रखा तुम्हारे लिये बेहततर है, अगर

كُنْتُمْ مُّؤْمِنِينَ ۚ وَمَا أَنَا عَلَيْكُمْ بِحَفِيٓظٍ ۝ ٧٥ قَالُوا يَشْعِيبُ

मानो... और नहीं हूँ मैं तुम पर पडरा देनेवाला” (८६) सभ बोले “अै शुअैब

أَصْلُوْتُكَ تَأْمُرُكَ أَنْ تَتْرُكَ مَا يَعْبُدُ آبَاؤُنَا وَأَنْتَ تَفْعَلُ

क्या तुम्हारी नमाज तुमको हुकम देती है कि हम छोड दें जिसको मा'बूद बनाअे थे हमारे बापदादे, या उसके कि हम किया करें

فِي أَمْوَالِنَا مَا نَشَاءُ ۖ إِنَّكَ لَأَنْتَ الْحَلِيمُ الرَّشِيدُ ۝ ٧٦ قَالَ يَقَوْمِ

अपने मालमें जो चाहें. भज्ज है तुम्हें, भडे मआल अन्देश मुआमलादार हो” (८७) जवाब दिया कि

أَرَأَيْتُمْ إِنْ كُنْتُمْ عَلَىٰ بَيْتِنَا مِنْ رَبِّي وَرَرْتُمْ بِيْنَ رِزْقِنَا

”अै मेरी कौम भला तुम्हीं भताओ मेरा काम, अगर मैं रौशन दलील पर हूँ अपने परवरदिगारकी तरफ़से, और उसने ही मुजे अपने करम

حَسَنًا ۖ وَمَا أُرِيدُ أَنْ أُخَالِفَكُمْ إِلَىٰ مَا أَنْتُمْ عَنْهُ إِنِ أُرِيدُ

से अच्छी रोजी. और मैं नहीं चाहता हूँ कि भुद भिलाइ यलूँ ईस तरफ़ जिससे तुमको रोकता हूँ. मैं नहीं चाहता

إِلَّا الْإِصْلَاحَ مَا اسْتَطَعْتُ ۖ وَمَا تَوْفِيقِي إِلَّا بِاللَّهِ عَلَيْهِ تَوَكَّلْتُ

मगर दुरस्तीकी जो हो सके. और नहीं है मेरी तौफ़ीक मगर अल्लाहसे. उसी पर मैंने भरोसा किया,

وَالْيَهُ أَنِيْبٌ ۝ ٧٧ وَيَقَوْمِ لَا يَجْرِمَنَّكُمْ شِقَاقِي أَنْ يُصِيبَكُمْ

और उसीकी तरफ़ रुजूअ करता हूँ (८८) और अै मेरी कौम न उल्लारे तुमको मेरी दुश्मनी, कि मुसीबत आ पडे तुम तक,

مَثَلُ مَا أَصَابَ قَوْمَ نُوحٍ أَوْ قَوْمَ هُودٍ أَوْ قَوْمَ صَالِحٍ وَمَا قَوْمُ

जिस तरह मुसीबत पड़ी कौमे नूह, या कौमे हुद, या कौमे सालेह पर, और कौमे लूत

لُوطٍ مِّنْكُمْ بِبَعِيدٍ ۝۹۸ وَأَسْتَغْفِرُكُمْ وَأُتَوَّابًا ۝۹۹ وَإِنِّي لَأُبْرِيءُ

तुमसे दूर नहीं हूँ (९८) और मुआफी मांगो अपने परवरदिगारसे, फिर जुक पड़ी उसकी तरह. भेशक

رَحِيمٍ وَدُودٍ ۝۱۰۰ قَالُوا يَشْعِيبُ مَا نَفَقَهُ كَثِيرًا مِّمَّا تَقُولُ وَإِنَّا

मेरा परवरदिगार बख्शनेवाला प्यार करमानेवाला है” (९९) सब बोले “कि ऐशुअैबलमसमजतेही नहीं बाडेतसी तुम्हारी कधी बातोंको, और वाकेआ

لَنُرِيكَ فِيْنَا ضَعِيفًا ۝۱۰۱ وَلَوْلَا رَهْطُكَ لَرَجَمْنَاكَ وَمَا أَنتَ عَلَيْنَا

यह है, कि हम तुमको अपनेमें देव रहे हें कमजोर. और अगर तुम्हारा कभीला न होता, तो हमने तुम पर पथराव कर दिया होता. और तुमहमारे तौर पर

بِعَزِيْزٍ ۝۱۰۲ قَالَ يَقَوْمِ أَرَهْطِيْ أَعَزُّ عَلَيْكُمْ مِنَ اللَّهِ وَاتَّخَذْتُمُوهُ

ईज्जतवाले नहीं हो” (१०१) जवाब दिया कि “ऐ मेरी कौम, क्या मेरा कभीला ज्यादा ईज्जतदार है तुम्हारे तौर पर अल्लाहसे, कि तुम लोगोंने

وَرَاءَكُمْ ظَهْرِيًّا ۝۱۰۳ إِنِّي لَأُبْرِيءُ بِمَا تَعْمَلُونَ فُحِيْطٌ ۝۱۰۴ وَيَقَوْمِ اعْمَلُوا عَلَى

उसको पीछे पीछे डाल रहा है. भेशक मेरा परवरदिगार तुम्हारे सब कियेको घेरे है (१०२) और मैं मेरी कौम तुम अपनी

مَكَانَتِكُمْ إِنِّي عَامِلٌ ۝۱۰۵ سَوْفَ تَعْلَمُونَ ۝۱۰۶ مِّنْ يَّاتِيْهِ عَذَابٌ يُخْزِيْهِ

जगह अपना काम करो, और मैं अपना काम करूँ. जल्द ही ज्ञान लोगे कि किस पर आता है अजाब जो उसको रुखा

وَمَنْ هُوَ كَاذِبٌ ۝۱۰۷ وَأَرْتَقِبُوا إِنِّي مَعَكُمْ رَقِيبٌ ۝۱۰۸ وَلَمَّا جَاءَ أَهْرَافًا

कर दे, और कौन जूटा है और तुम लोग ईन्तिजार करो, और लायेन तुम्हारे साथ मैं भी मुन्तजिर हूँ” (१०३) और जब आ गया हमारा

بَجَيْنًا شُعَيْبًا وَالَّذِينَ آمَنُوا مَعَهُ بِرَحْمَةٍ مِنَّا وَأَخَذَتِ الَّذِينَ

कहरमानी हुकम, भया लिया हमने शुअैबको और जो मान युके थे उनके साथ, अपनी रहमतसे. और पकड लिया उनको जो

ظَلَمُوا الصَّيْحَةَ فَأَصْبَحُوا فِي دِيَارِهِمْ جُثَثٍ ۝۱۰۹ كَأَن لَّمْ

अंधेर भया युके थे खिंघाडने, तो हो गये अपने घरोंमें घुटनों पर जुके पडे (१०४) गोया रहे ही न

يَعْتَوُوا فِيهَا ۝۱۱۰ إِلَّا بَعْدَ السَّيِّئِ كَمَا بَعَدَتْ ثُودٌ ۝۱۱१ وَلَقَدْ أَرْسَلْنَا

थे उसमें. भबरदार ! दूर हों मद्यन, जैसे दूर हूँ घमूह (१०५) और भतलकीक भेजा हमने

مُوسَى بِآيَاتِنَا وَسُلْطٰنٍ مُّبِينٍ ۝۱۱२ إِلَى فِرْعَوْنَ وَمَلَئِهِ فَاتَّبَعُوْا

मूसाको अपनी निशानियों और शौशन सनदके साथ (१०६) फिरऔन और उसके सरदारोंकी तरह, तो सबने पैरवीकी

دَامَتِ السَّمَوَاتُ وَالْأَرْضُ إِلَّا مَا شَاءَ رَبُّكَ ۗ إِنَّ رَبَّكَ فَعَّالٌ

जब तक हैं सारे आस्मान और जमीन, मगर जिस कदर चाहा तुम्हारे परवरदिगारने. बेशक तुम्हारा पालनहार कर

لِمَا يُرِيدُ ۝۱۰۷ وَأَمَّا الَّذِينَ سُعِدُوا فَفِي الْجَنَّةِ خَالِدِينَ فِيهَا

गुजरता हैं जो चाहे (१०७) और जो नेक भूत किये गये वोह जन्नतमें हैं, उसमें हमेशा रहनेवाले,

مَا دَامَتِ السَّمَوَاتُ وَالْأَرْضُ إِلَّا مَا شَاءَ رَبُّكَ ۗ عَطَاءٌ غَيْرَ

जब तक कि सारे आस्मान और जमीन हैं, मगर जितना चाहा तुम्हारे परवरदिगारने. अता है

فَجْدٍ وَذِي ۝۱۰۸ فَلَا تَكُ فِي مَرِيٍّ مِمَّا يَعْبُدُ هَؤُلَاءِ مَا يَعْبُدُونَ

अनमित (१०८) पस तुम किसी धोकेमें न आओ उससे जिसको यह लोग मा'बूद मानें. यह सब मा'बूद नहीं बनाते

إِلَّا كَمَا يَعْبُدُ آبَاؤُهُمْ مِّن قَبْلُ ۗ وَإِنَّا لَنُوفِّهُمُ نَصِيبَهُمْ غَيْرَ

मगर जिस तरह मा'बूद बनाते रहे उनके बापदादा पड़लेसे, और बेशक हम ज़र उन्हे पूरी तरह उनकी किस्मतका

مَنْقُوصٍ ۝۱०९ وَلَقَدْ آتَيْنَا مُوسَى الْكِتَابَ فَاخْتَلَفَ فِيهِ ۗ وَلَوْلَا

हिस्सा देंगे बेघटाये (१०९) और बेशक दिया हमने मूसाको किताब, फिर उसमें जगडा निकावा गया, और अगर न

كَلِمَةٌ سَبَقَتْ مِنْ رَبِّكَ لَقَضَىٰ بَيْنَهُمْ ۗ وَإِنَّهُمْ لَفِي شَكِّ مِّنْ

छोटी ऐक बात पड़लेसे तुम्हारे परवरदिगारकी तरफसे, तो ज़र उनका कैसला कर दिया जाता. और दर डक्रीकत वोह लोग तरदुदमें परे शक

مُرِيٍّ ۝۱१۰ وَإِن كُنتُمْ لَيُوفِّيهِمْ رَبُّكَ أَعْمَالَهُمْ إِن يَأْمُرُونَ

करनेवाले हैं (११०) और वाकईमें सारे के सारे, देते वक्त ज़र पूरी जज़ा देगा उन्हे तुम्हारा परवरदिगार उनके आ'मालका. बेशक उसे उन

خَيْرٌ ۝۱११ فَاسْتَقِمْ كَمَا أُمِرْتَ وَمِن تَابٍ مَّعَكَ وَلَا تَطْغَوْا إِنَّهُ

सबके करतकी पभर है (१११) तो मजबूत जम जाओ जैसा कि तुम्हें हुकम दिया गया है, और जिन्होंने तोषा कर ली तुम्हारे साथ, और तुम लोग सरकशी न

بِنَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ ۝۱१२ وَلَا تَزْكُتُوا إِلَى الَّذِينَ ظَلَمُوا فَتَسَسَّكُمْ

करो, बेशक वोह जो करो देभनेवाला है (११२) और न जुको उनकी तरफ, जो अंधेर मया युके, कि छूले तुमको

النَّارُ وَمَا لَكُمْ مِّن دُونِ اللَّهِ مِّنْ أَوْلِيَاءٍ ثُمَّ لَا تُنصَرُونَ ۝۱१३

आग. और नहीं हैं तुम्हारे कामके यह, अल्लाहसे अलग बनाये हूँ अहिमायती, फिर तुम्हारी मदद न की जायेगी. (११३)

وَأَقِمِ الصَّلَاةَ طَرَفِي النَّهَارِ وَرُفْعًا مِّنَ اللَّيْلِ ۗ إِنَّ الْحَسَنَاتِ

और पाबन्दी करो नमाजकी, दिनके दोनों सिरों पर और कुछ रात आने पर. बेशक नेकियां

يُدْهِبَنَّ السَّيِّئَاتِ ذُلِكَ ذِكْرِي لِلذَّكِرِيِّنَ ۝۱۱۴ وَأَصْبِرْ فَإِنَّ اللَّهَ

दूर कर देती हैं बुराईयोंको। यह नसीहत है, नसीहत कबूल करनेवालोंके लिये (११४) और सध्र करते रहो, कि “बेशक अल्लाह

لَا يُضِيعُ أَجْرَ الْمُحْسِنِينَ ۝۱۱۵ فَلَوْلَا كَانَ مِنَ الْقُرُونِ مِنْ

आयेअ नहीं करता मुस्लिमोंकी मज़दूरीको” (११५) तो क्यूं न रखा किये तुमसे पहले जमानेवालेके

قَبْلِكُمْ أُولُوا بَقِيَّةً يَبْزَهُونَ عَنِ الْفَسَادِ فِي الْأَرْضِ إِلَّا قَلِيلًا

भये भयाये, कि रोकें जमीनमें फसाद भयानेसे, मगर थन्,

مِّنْ أَجْيَانًا مِنْهُمْ وَاتَّبَعَ الَّذِينَ ظَلَمُوا مَا أَتَوْا بِهَا بِغَيْرِ

जिनको हमने उनसे भया दिया। और पीछे लगे रहे अंधेरेवाले उनको जो वुस्मत दी गई उसमें, और

فُجْرٍ مِّمَّنْ ۝۱۱۶ وَمَا كَانَ رَبُّكَ لِيُهْلِكَ الْقُرَىٰ بِظُلْمٍ وَأَهْلِهَا

हो गये जराईम पेशा (११६) और तुम्हारा परवरदिगार नहीं है कि हलाक कर दे आबादियोंको अंधेरे कर के, डालांकि आबादी

مُصْرِحُونَ ۝۱۱۷ وَلَوْ شَاءَ رَبُّكَ لَجَعَلَ النَّاسَ أُمَّةً وَاحِدَةً وَ

वाले दुरुस्त हैं (११७) और अगर तुम्हारा परवरदिगार चाहेता, तो बना देता लोगोंको ऐक अकीदेवाला। और

لَا يَزَالُونَ مُخْتَلِفِينَ ۝۱۱۸ إِلَّا مَنْ رَّجِمَ رَبُّكَ وَلِذَلِكَ خَلَقَهُمْ

हमेशा ही जगडते रहेंगे (११८) मगर जिसे रजम कर दिया तुम्हारे परवरदिगारने, और ईसी लिये पैदा करमाया है उनको।

وَتَتَّ كَلِمَةُ رَبِّكَ لَأَمَّاكَنَّ جَهَنَّمَ مِنَ الْجِنَّةِ وَالنَّاسِ

और पूरी हो चुकी तुम्हारे परवरदिगारकी बात, कि ज़रूर त्तर दूंगा जहन्नमकी जिन और ईन्सान

أَجْمَعِينَ ۝۱۱۹ وَكُلًّا نَّقُصُّ عَلَيْكَ مِنْ أَنْبَاءِ الرُّسُلِ مَا نَشِئُكَ

सबसे (११९) और सारे आखिर किये देते हैं हम तुम पर सब रसूलोंके वाक़ेआत, कि थामवें हम उससे

بِهِ فُوَادِكْ ۝۱۲۰ وَجَاءَكَ فِي هَذِهِ الْحَقُّ وَمَوْعِظَةٌ وَذِكْرِي

तुम्हारा दिव। और आ गये तुम्हारे पास उसमें हीक वाक़ेआत, और पन्दी नसीहत मानने

لِلْمُؤْمِنِينَ ۝۱۲۱ وَقُلْ لِلَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ اعْمَلُوا عَلَىٰ مَكَانَتِكُمْ

वालोंके लिये (१२०) और केह दो जो न मानें, कि अपनी जगड पर तुम अपना काम करो,

إِنَّا عَمِلُونَ ۝۱۲۲ وَأَنْتَظِرُونَ ۝۱۲۳ وَإِلَّا غَيْبُ السَّمَوَاتِ

हम अपना काम करते हैं (१२१) और तुम भी राउ देभो, बेशक हम भी राउ देभते हैं (१२२) और अल्लाह हीके लिये है आस्मानों

وَالْأَرْضِ وَاللَّيْلِ يُرْجَعُ الْأَمْرُ كُلُّهُ فَاعْبُدْهُ وَتَوَكَّلْ

और जमीनका गैब, और उसीकी तरफ लौटाये जायेंगे सारे काम, तो उसको पूजे और उस पर भरोसा रभो.

عَلَيْهِ وَمَا رَبُّكَ بِغَافِلٍ عَمَّا تَعْمَلُونَ ۝

और नहीं है तुम्हारा परवरदिगार गाफिल तुम्हारे कामोंसे (१२३)

سُورَةُ يُوسُفَ ۱۲ مَكِّيَّةٌ ۵۳ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

सूरअे यूसुफ मकिक्या

नामसे अल्लाहके बडा महरबान बप्शनेवाला

आयात १११ रुकूअ १२

الرَّتِّ تِلْكَ آيَاتُ الْكِتَابِ الْمُبِينِ ① إِنَّا أَنْزَلْنَاهُ قُرْآنًا عَرَبِيًّا

अलिफ-लाम-रा... यह आयते हैं रोशन किताबकी... (१) बेशक हमने नाजिल इरमाया उसको अरबी कुरआन,

لَعَلَّكُمْ تَعْقِلُونَ ② مَخْنُ نَقُصُّ عَلَيْكَ أَحْسَنَ الْقَصَصِ بِمَا

कि तुम अकलसे कामलो (२) हम सुनाते हैं तुम्हें बडा अच्छा वाकेआ, जो कि

أَوْحَيْنَا إِلَيْكَ هَذَا الْقُرْآنَ ③ وَإِنْ كُنْتَ مِنْ قَبْلِهِ مِنَ الْغَافِلِينَ

वही भेजा हमने तुम्हारी तरफ यह कुरआन. गो तुम पहले बेभबर थे (३)

إِذْ قَالَ يُوسُفُ لِأَبِيهِ يَا أَبَتِ إِنِّي رَأَيْتُ أَحَدَ عَشَرَ كَوْكَبًا وَ

जब कि कडा यूसुफने अपने बापको "कि बाबाजान, मैं ने वाकेअमें भ्वाब देभा, ग्यारह सितारे और

الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ سَأْتِيهِمْ لِيُسَبِّحِينَ ④ قَالَ يَبْنَى لَا تَقْصُصْ

सूरज व चांदको, सबको देभा कि मेरा सजदा कर रहे हैं" (४) जवाब दिया "कि औ भेटा, मत जाडिर करना

رُءْيَاكَ عَلَى إِخْوَتِكَ فَيَكِيدُوا لَكَ كَيْدًا ⑤ إِنَّ الشَّيْطَانَ لِلْإِنْسَانِ

अपने भ्वाबको अपने भाठयों पर, कि तुम्हें कोठ धोका दे दें. क्यूंकि भिलाशुभल शैतान ठन्सानके लिये

عَدُوٌّ مُبِينٌ ⑥ وَكَذَلِكَ يَجْتَبِيكَ رَبُّكَ وَيُعَلِّمُكَ مِنْ تَأْوِيلِ

भुला दुश्मन है (६) और ठसी तरल युनेगा तुमको तुम्हारा परवरदिगार, और सिभाअेगा तुमको सारी भातोंके

الْأَحَادِيثِ وَيُرِيكَ نِعْمَتَهُ عَلَيْكَ وَعَلَىٰ آلِ يَعْقُوبَ كَمَا أَتَتْهَا

अन्जाम कार बतानेकी, और पूरी इरमा देगा अपनी ने'मतकी तुम पर, और या'कूबकी अललो अयाल पर, जिस तरल पूरा इरमाया था

عَلَىٰ أَبِيكَ مِنْ قَبْلُ إِبْرَاهِيمَ وَإِسْحَاقَ ⑦ إِنَّ رَبَّكَ عَلِيمٌ

उदो तुम्हारे बापदादा दोनों पर पहलसे ही, ठब्राहीम व ठसहाक पर. बेशक तुम्हारा परवरदिगार दाना

حَكِيمٌ ۴ لَقَدْ كَانَ فِي يُوسُفَ وَإِخْوَتِهِ آيَاتٍ لِلْسَّائِلِينَ ۵ اِذْ

डिकमतवाला है” (६) बिलाशुबल यूसुफ और उनके भाईयोंमें कई निशानियां हैं पूछनेवालोंके लिये (७) जब

قَالُوا لِيُوسُفَ وَأَخُوهُ أَحَبُّ إِلَيْنَا مِنَ الرَّحْمَنِ وَعَصْبَةٌ إِنَّ

कि सभने कहा “कि यूसुफ और उनका भाई ज़्यादा प्यारे हैं हमारे बापको, हालांकि हम अंक जमाअत हैं. बेशक

آبَانَا لَفِي ضَلَالٍ مُّبِينٍ ۸ اِقْتُلُوا يُوسُفَ أَوْ اطْرَحُوهُ أَرْضًا

हमारे बाप साफ़ साफ़ मडबबतकी मस्तीमें हैं (८) मार डालो यूसुफको, या उन्हें फेंक आओ किसी जगह, कि तुम्हारे

يَجُلْ لَكُمْ وَجْهٌ أَبِيكُمْ وَتَكُونُوا مِنْ بَعْدِهِ قَوْمًا صَالِحِينَ ۹

बापका रुब तुम्हारे लिये रह जाअे, और उसके भा'द हो जाओ नेक” (९)

قَالَ قَائِلٌ مِنْهُمْ لَا تَقْتُلُوا يُوسُفَ وَالْقَوْهُ فِي غَيْبَتِ الْجُبِّ

उनमेंसे अंक केडनेवालेने कहा, “कि यूसुफको मार न डालो और उन्हें डाल दो डूअेंकी अंधेरियों

يَلْتَقِطُهُ بَعْضُ السَّيَّارَةِ إِنْ كُنْتُمْ فَعِلِينَ ۱۰ قَالُوا يَا أَبَانَا مَا

में, ले लेगा उनको कोई राह चलता, अगर तुमको यह करना है” (१०) सभने मिल कर अर्ज किया “कि अ

لَكَ لَا تَأْمَنَّا عَلَى يُوسُفَ وَإِنَّا لَهُ لَنَصْحُونَ ۱۱ أَرْسَلَهُ مَعَنَا

हमारे बाप, आपको क्या है कि आप अमीन नहीं बनाते हमको यूसुफ पर, हालांकि हम उनके भेरभवाल हैं (११) बेज दीजिये उन्हें हमारे

غَدًا أَيَّرْتَعُ وَيَلْعَبُ وَإِنَّا لَهُ لَحَافِظُونَ ۱۲ قَالَ إِنِّي لِيَحْزُنُنِي

साथ कल, कि वोड भाअें भेले, और हम सभ उनकी निगरानी करनेवाले हैं” (१२) जवाब दिया “कि मुजे ठसका रंज है

أَنْ تَذْهَبُوا بِهِ وَآخَافُ أَنْ يَأْكُلَهُ الذِّئْبُ وَأَنْتُمْ عَنْهُ غَافِلُونَ ۱۳

कि तुम उन्हें ले जाओ, और मुजे पतरा है कि भेडिया उनको भा जाअे, और तुम भेभभर रहो” (१३)

قَالُوا لَئِنْ أَكَلَهُ الذِّئْبُ وَنَحْنُ عُصْبَةٌ إِنَّا إِذًا لَخَسِرُونَ ۱۴ فَلَمَّا

सभने अर्ज किया, कि “अगर भेडियाने उन्हें भा लिया और हम अंक जमाअतकी जमाअत हैं, तो फिर हम नाकारा हूअें” (१४) फिर जब

ذَهَبُوا بِهِ وَاجْتَمَعُوا أَنْ يَجْعَلُوهُ فِي غَيْبَتِ الْجُبِّ وَأَوْحَيْنَا إِلَيْهِ

सभ ले गअे उनको, और सभकी राय हूई कि डाल दें उनको डूअेंकी तारीडियोंमें, और वही भेज हमने उन

لَتَنْبِتْنَهُمْ بِأَمْرِهِمْ هَذَا وَهُمْ لَا يَشْعُرُونَ ۱۵ وَجَاءَ وَآبَاهُ

की तरफ़, “कि ज़रूर तुम उन्हें अता दोगे उनके ठस डियेको, और वोड न पडयानते होंगे” (१५) और सभ आअे अपने बापके पास,

عِشَاءً يَبْكُونَ ۱۵ قَالُوا يَا أَبَانَا إِنَّا ذَهَبْنَا نَسْتَبِقُ وَتَرَكْنَا يُوسُفَ

रात होने पर रोते हुए (१६) सबने कहा "कि औ हमारे बाप, हम दौड़ने चले गये और यूसुफ़को अपने

عِنْدَ مَتَاعِنَا فَآكَلَهُ الذِّبُّ وَمَا أَنْتَ بِمُؤْمِنٍ لَنَا وَلَوْ كُنَّا

सामानके पास रब छोडा, तो उनको भेडिया भा गया. और आप हमारी मानते नहीं, गो हम

صَادِقِينَ ۱۶ وَجَاءَ وَعَلَى قَيْصِصِهِ يَدٌ كَذِبٌ قَالَ بَلْ سَأَلْتُ

सच्चे हों" (१७) और लगा लाओ उनके कुरते पर जूटा भून. जवाब दिया, "कि बलिक बना ली

لَكُمْ أَنْفُسَكُمْ أَمْرًا فَصَبْرٌ جَمِيلٌ وَاللَّهُ الْمُسْتَعَانُ عَلَى مَا

तुम्हारे लिये तुम्हारी तभीअतोंने अक बात. तो सभ्र अच्छा. और अल्लाहकी मदद मांगी गई है उस पर जो

تَصِفُونَ ۱۸ وَجَاءَتْ سَيَّارَةٌ فَأَرْسَلُوا وَارِدَهُمْ فَأَدْلَى دَلْوَةً ۱

तुम बताते हो" (१८) और आ गया अक काडिला, तो भेजा अपने पानी भरनेवालेको, तो उसने अपना डोल डाला.

قَالَ يُبَشِّرِي هَذَا عِلْمٌ وَأَسْرُوهُ بِضَاعَةً وَاللَّهُ عَلَيْهِمُ بِمَا

भोला वाडवा, यह लडका. और सबने उनको छुपा लिया मावे तिजारत बना कर. और अल्लाह दाना है जो

يَعْمَلُونَ ۱۹ وَشَرَوْهُ بِثَمَنٍ بَخْسٍ دَرَاهِمَ مَعْدُودَةٍ وَكَانُوا

वोड करे (१९) और भाँठयोंने उन्हें बेच डाला, भोटे दामसे यन्ड रुपै. और उनसे

فِيهِ مِنَ الرَّاهِدِينَ ۲۰ وَقَالَ الَّذِي اشْتَرَاهُ مِنْ مِصْرَ

भे रबत थे (२०) और कहा जिसने उनको भरीदा, मिस्रीने

لِامْرَأَتِهِ الْكُرْمِيُّ مَثْوًا عَسَى أَنْ يَنْفَعَنَا أَوْ نَتَّخِذَهُ وَلَدًا وَ

अपनी भीबीसे, "कि उनको भुब ठिकानेसे रभो, हो सकता है कि हमारे काम आवे, या हम उसको करजन्ड बना दें." और

كَذَلِكَ مَكَّنَّا لِيُوسُفَ فِي الْأَرْضِ وَلِنُعَلِّمَهُ مِنْ تَأْوِيلِ

ईस तरडसे मजभूत ठिकाना दिया हमने यूसुफ़को उस सरजमीनमें. और ताकि सिभा हें हम उनको बातों

الْأَحَادِيثِ وَاللَّهُ غَالِبٌ عَلَى أَمْرِهِ وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا

के नतीजे बता देनेकी, और अल्लाह गाविब है अपने काममें. लेकिन भोडतेरे लोग

يَعْلَمُونَ ۲۱ وَلَمَّا بَلَغَ أَشُدَّهُ آتَيْنَاهُ حُكْمًا وَعِلْمًا وَكَذَلِكَ

नादान हें (२१) और जब वोड पडोंये अपनी पूरी ताकतकी. तो दिया हमने उनको हुकम और ईलम. और ईसी तरड

الذِّبُّ

الَّذِي

بُجِرَى الْمُحْسِنِينَ ﴿۲۲﴾ وَرَاوَدَتْهُ الَّتِي هُوَ فِي بَيْتِهَا عَنْ نَفْسِهَا

उम जजा देते हैं मुप्पिस बन्दोंकी (२२) और लुबाना याडा उन्हेँ उस औरतने जिसके घरमें वोड थे, उनकी भुदारी

وَعَلَّقَتِ الْأَبْوَابَ وَقَالَتْ هَيْتَ لَكَ ۖ قَالَ مَعَاذَ اللَّهِ إِنَّهُ

से, ओर बन्द कर लिये सारे दरवाजे, ओर बोली आओ तुम्हींकी डेडती छूँ. जवाब दिया कि अल्लाडकी पनाड, बेशक अजीज तो

رَبِّي أَحْسَنَ مَثْوَايَ ۖ إِنَّهُ لَا يُفْلِحُ الظَّالِمُونَ ﴿۲۳﴾ وَلَقَدْ هَمَّتْ

मेरा मुरबबी है, मुजकी भुब ठिकानेसे रभा. क्या शक है कि अंधेर भयानेवाले कामियाब नहीं छोते (२३) और सय यड है कि औरत

بِئْسَ وَهْمٌ بِهَا لَوْلَا أَنْ رَأَى بُرْهَانَ رَبِّهِ ۖ كَذَلِكَ لِنَصْرِفَ عَنْهُ السُّوءَ

ने तोते कर लिया था उनकी, और वोड धरादा कर गुजरते, अगर न देप लेते अपने परवरदिगारकी दलीलको. ऐसा थुंहुवा, ताकि दूर कर दें उनसे भुराई

وَالْفَحْشَاءَ ۗ إِنَّهُ مِنْ عِبَادِنَا الْمُخْلَصِينَ ﴿۲۴﴾ وَاسْتَبَقَا الْبَابَ

व भेडयाईकी. बेशक वोड उमारे मुप्पिस बन्दोंसे हैं (२४) और दोनों बडे दरवाजेकी

وَقَدَّتْ قَيْصَةَ مِنْ دُبرٍ وَأَفْيَأَسَيْدَهَا لَدَا الْبَابِ ۖ قَالَتْ

तरक, और औरतने उनका कुरता पीछेसे ढाड डावा, और दोनोंकी मिल गया औरतका शौडर दरवाजेके पास. वोड बोली

مَا جَزَاءُ مَنْ أَرَادَ بِأَهْلِكَ سُوءًا إِلَّا أَنْ يُسْجَنَ أَوْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ﴿۲۵﴾

“नहीं सज्रा है उसकी जिसने धरादा किया तुम्हारी औज्रासे भुरी बातका, मगर यड कि डेदमानेमें डाल दिया जाये, या दुभ देनेवाली सज्रा दी जाये” (२५)

قَالَ هِيَ رَاوَدَّتْنِي عَنْ نَفْسِي وَشَهِدَا شَاهِدٌ مِّنْ أَهْلِهَا إِنْ

जवाब दिया “कि इस औरतने भुद लुबाया मुजकी मेरी भुदारीसे”, और गवाडी दी उन्हींमेंसे अक गवाडने, कि अगर

كَانَ قَيْصَةُ قَدْ مِّنْ قَبْلِ نَصَدَقَتْ وَهُوَ مِنَ الْكٰذِبِينَ ﴿۲۶﴾

उनका कुरता याक किया गया है आगेसे, तो औरत सखी. और यड जूटोंसे (२६)

وَإِنْ كَانَ قَيْصَةُ قَدْ مِّنْ دُبرٍ فَكَذَبَتْ وَهُوَ مِنَ الصّٰدِقِينَ ﴿۲۷﴾

और अगर कुरता ढाडा गया है पीछेसे, तो औरत जूटी और यड सखी (२७)

فَلَمَّا رَأَى قَيْصَةَ قَدْ مِّنْ دُبرٍ قَالَ إِنَّهُ مِّنْ كٰذِبِينَ ۖ إِنَّ

तो जब देभा कि उनका कुरता ढाडा गया है पीछेसे, डेसवा किया कि बेशक तुम औरतोंका तिरया यलतर है. वाकेअ

كٰذِبًا كُنَّ عَظِيمًا ﴿۲۸﴾ يٰٓيُوسُفُ اعْرِضْ عَن هٰذَا ۖ وَاسْتَغْفِرْ لِي

में तुम्हारे यलतर बडे हैं (२८) अ यूसुड डटाओ उसको... और अय भिरमात ! अपने

لَذُنُوبِكُمْ ۖ إِنَّكَ كُنْتَ مِنَ الْخَاطِئِينَ ﴿۱۹﴾ وَقَالَ نِسْوَةٌ فِي الْمَدْيَنَةِ

गुनाहकी मञ्दिरत मांग. धाबित हे डि तू भताकारोंसे हे (२८) और केडने लगी औरतें शहर भरमें,

امرات العزيز تراود فتها عن نفسها ۖ قد شعفها حبا ۖ انا

कि “अजीजकी भीभी बुभाती हे जो उनको उसकी पुदारीसे. उसीकी मडबत उस पर छा गई हे. हमारी

لذاتها في ضللي مبين ۖ فليسا سمعت بسكرهن ارسلت

रायमें वोड भिलाशुभड भुली सरमस्तीमें हे” (३०) पस जब उसने सुना औरतोंके प्रोपेगन्डाको, तो उनको

اليهن واعتدت لهن مئكا واتت كل واحدة منهن

बुलावा भेजा, और तकिये उनके दिये लगाये. और दे दिया हर अेककी उनमेंसे अेक छुरी.

سكيناً ۖ قالت اخرج عليهن ۖ فلما رأينه اكبزن ۖ وقطعن

और आवाज दी कि निकल आओ ँन औरतोंमें, अब जो औरतोंने उनको देभा, तो उनकी बडाई करने लगीं, और काट डाले

أيديهن ۖ قلن حاش لله ما هذا بشر ۖ ان هذا الا ملك

अपने डाय, और भोल पडी कि “डाय लिव्लाड ! यह बशर नहीं हें.” “यह नहीं हे मगर कोई भुजुर्ग

كريم ۖ قالت قد يكن الذي لمتني فيه ۖ ولقد راودته

इरिशता” (३१) तभ कडा, डि “यही हे जिसके बारेमें तुम लोग मेरी मलामत करती रहीं. और भेशक मैंने ही

عن نفسها فاستعصم ۖ ولين لم يفعل ما امره ليسجنن

उसको बुभाना याडा उसकी पुदारीसे, फिर भी वोड मा’सूमडी रड. और अगर उसने वोड न किया, जिसका मैं डुकम देती हूं तो जडूर जेल जायेगा,

وليكونا من الصغرين ۖ قال رب السجن احب الي مننا

और यकीनन डोगा आभडू भाप्तोंसे” (३२) दुआकी “ओ मेरे परवरदिगार जेल मुजको जयादा पसन्द हे ँस डरकतसे,

يدعوني اليه ۖ والا تصرف عني كيدهن اصب اليهن ۖ و

जिधर मुजको सब बुलाती हें. और अगर तू न टाले मुजसे उनके दांवको, तो मैं जुक पूं उनकी तरफ, और

اكن من الجهلين ۖ فاستجاب له رب ۖ فصرف عنه كيدهن ۖ

नादानोंसे डो जाई” (३३) तो कभूल इरमा लिया उन्हें उनके परवरदिगारने, युनाच्चे डटा दिया उनसे ँन औरतोंके दांवकी.

ان هو السبع العليم ۖ ثم بدا لهم من بعد ما راوا الاية

भेशक वोड सुननेवाला दाना हे. (३४) फिर उन्हें यही सुजार्ण पडा, भा’द ँसके डि देभ युके सारी निशानियां,

لَيْسَ جُنْدٌ حَتَّىٰ حِينٍ ۖ وَدَخَلَ مَعَهُ السِّجْنَ فَتَيْنٌ ۗ قَالَ

कि उन्हें केदधानेमें डाल हें कुछ मुदत तक (उप) और दाबिल हूँ उनके साथ केदधानेमें दो जवान, उनमेंसे अेक

أَحَدُهُمَا إِنِّي أَرَبِيَّ أَعَصِرُ خَمْراً ۖ وَقَالَ الْآخَرُ إِنِّي أَرَبِيَّ أَحْمَلُ

ने दरयाइत किया, “कि मैंने प्वाब देभा कि शराब निथोड रखा हूँ.” और दूसरेने सवाल किया, “कि मैं देभता हूँ कि अपने सर

فَوْقَ رَأْسِي خُبْرًا تَأْكُلُ الطَّيْرُ مِنْهُ ۗ نَبِّئْنَا بِتَأْوِيلِهِ ۗ إِنَّا نراك

पर रोटी उढाये हूँ और परिन्द उसमेंसे भा रहे हें.” “हम लोगोंको ँसकी ता'बीर बता दीजिये. हमारी रायमें वाकेँ

مِنَ الْمُحْسِنِينَ ۖ قَالَ لَا يَأْتِيكُمَا طَعَامٌ تُرْزَقُونَ إِلَّا تَنبَأُكُمَا

आप नेकोंसे हें” (उद) जवाब दिया “कि न आयेगा तुम दोनोंके पास वोढ भाना जो तुमको दिया जाता है, मगर बता युका हूँगा

بِتَأْوِيلِهِ قَبْلَ أَنْ يَأْتِيكُمَا ۗ ذَلِكُمْ مِمَّا عَلَّمَنِي رَبِّي ۗ إِنِّي تَرَكْتُ

मैं तुमको ता'बीर, उसके आनेसे पढले. यह यं, कि सिभा दिया मुजको मेरे परवरदिगारने. बेशक मैंने

مِلَّةَ قَوْمٍ لَا يُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ وَهُمْ بِالْآخِرَةِ هُمْ كَافِرُونَ ۗ وَاتَّبَعْتُ

छोड दिया उस कौमके धर्मकी, जो न मानें अल्लाहको, और वोढ आभिरतके मुन्दिर हें (उ७) और मैंने

مِلَّةَ آبَائِي ۗ إِنِّي إِبراهيمَ وَإِسْحَاقَ وَيَعْقُوبَ ۗ مَا كَانَ لَنَا أَنْ نَشْرِكَ

पैरवीकी अपने भापदादों, ँब्राहीम व ँसहाक व या'कूबके दीनकी. हमें हक नहीं कि शरीक बनाओं

بِاللَّهِ مِنْ شَيْءٍ ۗ ذَلِكُمْ مِنْ فَضْلِ اللَّهِ عَلَيْنَا وَعَلَى النَّاسِ

अल्लाहका किसी चीजकी. यह अल्लाहके इज्जलसे है हम पर और लोगों पर,

وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا يَشْكُرُونَ ۖ يُصَاحِبِي السِّجْنَ ۗ أَرْبَابٌ

लेकिन ओढतरे लोग नाशुके हें (उ८) ओ दोनों केदियो ! क्या बढोतसे

مُتَفَرِّقُونَ خَيْرٌ أَمِ اللَّهُ الْوَاحِدُ الْقَهَّارُ ۗ مَا تَعْبُدُونَ مِنْ

जुदागाना रभ अशुके हें, या अेक अल्लाह कहरवाला ? (उ८) जिसको तुम लोग मा'भूद बनाते हो

دُونِهِ إِلَّا أَسْمَاءُ سَمَّيْتُمُوهَا أَنْتُمْ وَآبَاؤُكُمْ ۗ مَا أَنْزَلَ اللَّهُ بِهَا

अल्लाहसे अलग, कुछ नहीं है मगर इर्जी नाम, जो रभ डाला है तुमने और तुम्हारे भापदादोंने, नहीं नाजिल

مِنْ سُلْطٰنٍ ۗ إِنَّ الْحُكْمَ إِلَّا لِلَّهِ ۗ أَمَرَ الْأَتَّعِبُونَ ۗ وَالْآيَاتُ ۗ ذَلِكُمْ

इरमाया अल्लाहने उनकी कोँ सनद. नहीं है हुकम, मगर अल्लाहका. उसने हुकम दिया कि न पूजो मगर उसीको. यही है

الدِّينَ الْقِيَمُ وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ﴿۸۰﴾ يَصَاحِبِ السَّجْنَ

सीधा तरीका. लेकिन बोहतरे लोग नादानी करते हैं (४०) ऐ केदभानाके साथियो !

أَمَّا أَحَدُكُمْ فَيَسْقِي رَبَّهُ خَمْرًا ۖ وَأَمَّا الْآخَرُ فَيُصَلِّبُ فَتَأْكُلُ

रहा तुममेंका अेक, तो वोड शराबका साकी डोगा अपने मुरब्बीका. और रहा दूसरा, तो फांसी दिया जायेगा. फिर

الطَّيْرُ مِنْ رَأْسِهِ ۖ فَضَى الْأَمْرَ الَّذِي فِيهِ كَسْتَفْتَيْنِ ۗ وَقَالَ

परिन्द उसकी भोपडीको नोयेंगे. बात तैशुदा है, जिसको तुम दोनों पूछते हो” (४१) और ताकीडकी

لِلَّذِي ظَنَّ أَنَّ نَاجٍ مِنْهُمَا أَذْكَرُنِي عِنْدَ رَبِّكَ فَأَنْسَأُ الشَّيْطَانَ

उसे, जिसके मुतअख्तिक भयाल किया, कि वोड छूटनेवाला है, “कि मेरा जिक अपने मुरब्बीके पास करना.” उसको शैतानने बुला

ذَكَرَ رَبَّهُ فَلَيْتَ فِي السَّجْنِ بِضَعِ سِنِينَ ۗ وَقَالَ الْمَلِكُ إِنِّي

दिया, कि अपने मुरब्बीके पास जिक करे. युनाच्ये रड गये यूसुफ केदभानेमें कथ साल (४२) और सवाल किया बादशाहने, कि “में

أَرَى سَبْعَ بَقَرَاتٍ سِمَانٍ يَأْكُلُهُنَّ سَبْعٌ عِجَافٌ وَسَبْعٌ سُتَبِلَاتٍ

भ्वाभमें देभता हूँ, सात गाअें मोटी, जिन्हें भा रडी हैं सात दुबली, और सात डरे

خَضِرٌ وَأَخْرَيْتَ يَأْتِيهَا الْمَلَأُ أَفْتُونًا فِي رِيَّيَايَ إِنْ كُنْتُمْ

भोशे और दूसरे सूभे. ऐ सरदारो ! भोवो मेरे भ्वाभके बारेमें, अगर तुम

لِلرَّيِّ يَا تَعْبُرُونَ ﴿۴۳﴾ قَالُوا أَضْغَاثُ أَحْلَامٍ ۖ وَمَا نَحْنُ بِتَأْوِيلِ

भ्वाभकी ता'बीर जानते हो” (४३) सभने कडा “कि भ्वाभ भयाल है. और डम परेशान

الْأَحْلَامِ بِعَلِيمِينَ ۗ وَقَالَ الَّذِي نَجَّاهُمْ مِنْهَا وَادَّكَرَ بَعْدَ آيَةٍ

भ्वाभकी ता'बीर नहीं जानते” (४४) और भोल पडा वोड, जो उन दोनों केदियोसे भया था और याद आ गया था अेक मुदत

أَنَا أَنْبَأُكُمْ بِتَأْوِيلِهِ فَأَرْسِلُونِ ۗ يُوسُفُ أَيُّهَا الصِّدِّيقُ أَفْتِنَا

के भा'द, “कि मैं भताडिगा उसकी ता'बीर, मुजको केदभानामें भेज दो” (४५) यूसुफ, ऐ दोस्त, डमें ता'बीर भता दो

فِي سَبْعَ بَقَرَاتٍ سِمَانٍ يَأْكُلُهُنَّ سَبْعٌ عِجَافٌ وَسَبْعٌ سُتَبِلَاتٍ

उसकी, कि सात मोटी गाअें उनको सात दुबली भा रडी हैं, और सात डरे भोशे

خَضِرٌ وَأَخْرَيْتَ لَعَلِّي أَرْجِعُ إِلَى النَّاسِ لَعَلَّهُمْ يَعْلَمُونَ ﴿۴۶﴾

और दूसरे सूभे. कि मैं लोगोंमें जाडि, तो वोड भी जान जाअें” (४६)

قَالَ تَزْرَعُونَ سَبْعَ سِنِينَ دَأْبًا ۖ فَمَا حَصَدْتُمْ فَذَرُّوهُ فِي

जवाब दिया “कि भेती करोगे सात साल बराबर. तो जो भी काटा उसको छोड़ दो उसकी

سُبُلِهِ إِلَّا قَلِيلًا مِّمَّا تَأْكُلُونَ ﴿٤٧﴾ ثُمَّ يَأْتِي مِنْ بَعْدِ ذَلِكَ سَبْعٌ

बाबीमें, मगर थोडासा जो भाओ (४७) फिर आयेगा उसके बाद सात

سِنِينَ مَا كُنْ مَا قَدَّمْتُمْ لَهُنَّ إِلَّا قَلِيلًا مِّمَّا تَحْصُونَ ﴿٤٨﴾

सप्त साल, जो भा जायेंगे जो पड़ले रभ लिया था तुमने, मगर थोडासा जो तुम बना लो (४८)

ثُمَّ يَأْتِي مِنْ بَعْدِ ذَلِكَ عَامٌ فِيهِ يُغَاثُ النَّاسُ وَفِيهِ

फिर आयेगा उसके बाद, ऐसा साल जिसमें आम बारिशकी जायेगी और उसमें

يُعَصَّرُونَ ﴿٤٩﴾ وَقَالَ الْمَلِكُ انْتُونِي بِهِ ۖ فَلَمَّا جَاءَهُ الرَّسُولُ

सभ रस नियोड़ेंगे” (४८) और कहा बादशाहने “कि ले आओ इन यूसुफ़को मेरे पास,” युना-ये जब आया उनके पास कासिद,

قَالَ ارْجِعْ إِلَىٰ رَبِّكَ فَسَأَلَهُ مَا بَأُ الْمِسْوَةِ الَّتِي قَطَعْتَ

तो कहा “कि लौट जाओ अपने माविककी तरफ, फिर उनसे पूछो कि क्या डाल है उन औरतोंका, जिन्होंने काट डाला था

أَيْدِيَهُنَّ ۖ إِنَّ رَبِّي بِكَيْدِهِنَّ عَلِيمٌ ﴿٥٠﴾ قَالَ مَا خَطْبُكَ

अपने हाथोंको. भेशक मेरा परवरदिगार उनके इरेबका दाना है” (५०) दरयाफ्त किया पादशाहने कि ये औरतो !

إِذْ رَأَوْدَتُنَّ يُوْسُفَ عَنِ نَفْسِهِ ۗ قُلْنَ حَاشَ لِلَّهِ مَا عَلِمْنَا

“तुम्हारा क्या वाक़ेआ है जब तुमने यूसुफ़को रिजाया था उनकी भुदारीसे”, सभको केडना पडा “कि डाला विल्लाड ! डमें

عَلَيْهِ مِنْ سُوءٍ ۗ قَالَتِ امْرَأَتُ الْعَزِيزِ الْكُنْ حَصْحَصَ

उन पर किसी ज़ुर्मका ठल्म नही”. तो ठकरार कर लिया अजीज़की भीबीने, “कि अब डक

الْحَقُّ أَنَا رَأَوْدَتُهُ عَنِ نَفْسِهِ وَإِنَّهُ لَمِنَ الصّٰدِقِیْنَ ﴿٥١﴾

जाडिर डो गया. मैंने ही उसको लुभाया था उसकी भुदारीसे, और भेशक वोड सख्ये हें” (५१)

ذٰلِكَ لِيَعْلَمَ اٰتٰی لَمَّا اٰخٰنُهُ بِالْغَيْبِ وَاَنَّ اللّٰهَ لَا

यड उस विये, “ताकि वोड जान वे कि मैंने कोठ भयानत नहीकी पीठ पीछे. और अल्लाड राड

يَهْدِي كَيْدَ الْخٰٓئِبِيْنَ ﴿٥٢﴾

नही देता, भाठनोके इरेबको” (५२)